

आयोग ने रिपोर्ट भेजी है कि जनवरी, 1973 में मान्यता प्राप्त यूनियनों के प्रति-निधियों के साथ हुए समझौते के अनुसरण में अन्य बातों के साथ-साथ तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के कर्मचारियों को तीसरा अन्तरिम राहत देने का निर्णय लिया गया है। अन्तरिम बोनस/अनुग्रह पूर्वक अदायगी के निर्धारण के उद्देश्य से इस राहत को वर्ष 1970-71 और वर्ष 1971-72 के लिए कर्मचारियों की परिलब्धियों में शामिल किया जाए और उन्हें वर्ष 1970-71 और वर्ष 1971-72 के लिए अन्तरिम बोनस/अनुग्रह पूर्वक अदायगी की बकाया राशि (जो उनके लिए देय थी) दी जाए। तेल और प्राकृतिक गैस आयोग और इसकी मान्यताप्राप्त यूनियनों के बीच घेतन पुनरीक्षण के लिए बातचीत अभी जारी है।

### Conviction under Companies Act

1001. SHRI ARVIND M. PATEL: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS: be pleased to state:

(a) whether any Company and its Directors were convicted under the Companies Act during the last six months; and

(b) if so, the names thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI D. R. CHAVAN): (a) and (b). The information about the companies and their Directors convicted during the period July, 1972 to December, 1972 is being collected and will be laid on the table of the House.

रेल बैगनों की अनुपस्थिता के कारण कोयला खानों के मुहानों पर कोयला जमा हो जाना

1002. श्री गंगा चरण बीक्षित : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेल बैगनों की कमी के कारण कोयला क्षेत्रों के मुहानों पर कोयला जमा हो गया है ;

(ख) क्या लगातार काफी समय तक वहीं पड़े रहने के कारण कोयला उपयोग करने योग्य नहीं रहा; और

(ग) यदि हां, तो कोयले को वहां से उठाने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) : (क) विभिन्न कोयला क्षेत्रों में कोयले का खदान-मुख पर स्टॉक 31-12-72 को घटकर, 70.8 लाख मीट्रिक टन रह गया जब कि 31-12-71 को यह स्टॉक 84.7 लाख मीट्रिक टन था।

(ख) क्वालिटी की दृष्टि से कुछ कोयला अवश्य खराब हो जाता है लेकिन खदान-मुख पर इस समय जितना स्टॉक वर्तमान है, उसमें से कितना कोयला इस्तेमाल योग्य नहीं रह गया है, उसका अनुमान लगाना संभव नहीं है।

(ग) विभिन्न कोयला क्षेत्रों से कोयले की ढुलाई में तेजी लाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। 1972-73 के दौरान (जनवरी तक) प्रतिदिन कुल 8017 मालडिब्बों में कोयला लादा गया जबकि 1971-72 की इसी अवधि के दौरान प्रतिदिन 7747 मालडिब्बों में कोयला लादा गया। इस तरह इसमें 270 मालडिब्बों प्रतिदिन की वृद्धि हुई है।